स्नातक पाठ्यक्रम के प्रश्नपत्रों के सेमेस्टरवार प्रश्नपत्र विषय : हिन्दी साहित्य

वर्ष	सेमेस्टर	कोर्स कोड	प्रश्नपत्र का शीर्षक	लिखित/प्रयोगात्मक	क्रेडिट्स
बी॰ए॰ प्रथम वर्ष	प्रथम	A010101T	हिन्दी काव्य	लिखित	06
बी॰ए॰ प्रथम वर्ष	द्वितीय	A010201T	कार्यालयी हिन्दी और कम्प्यूटर	लिखित	06
बी॰ए॰ द्वितीय वर्ष	तृतीय	A010301T	हिन्दी गद्य	लिखित	06
बी॰ए॰ द्वितीय वर्ष	चतुर्थ	A010401T	हिन्दी अनुवाद	लिखित	06
बी॰ए॰ तृतीय वर्ष	पंचम	A010501T	साहित्यशास्त्र और हिन्दी आलोचना	लिखित	05
बी॰ए॰ तृतीय वर्ष	पंचम	A010502T	हिन्दी का राष्ट्रीय काव्य	लिखित	05
बी॰ए॰ तृतीय वर्ष	षष्ठ	A010601T	भाषा विज्ञान, हिन्दी भाषा तथा देवनागरी लिपि	लिखित	05
बी॰ए॰ तृतीय वर्ष	षष्ठ	A010602T	लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति	लिखित	05

PROPOSED STRUCTURE OF BA HINDI SYLLABUS

PROGRAMME	YEAR	SEMESTER	THEORY/PRACTICAL	COMPULSORY/ELECTIVE	COURSE TITLE	CREDITS	TEACHING HOURS	ELECTIVE (FOR OTHER FACULTY/DEPARTMENTS
CERTIFICATE IN HINDI	I	FIRST SEMESTER	THEORY	COMPULSORY	हिन्दी काव्य	6	90	ALL FACULTIES
		SECOND SEMESTER	THEORY	COMPULSORY	कार्यालयी हिन्दी और कम्प्यूटर	6	90	ALL FACULTIES
DIPLOMA IN HINDI	II	THIRD SEMESTER	THEORY	COMPULSORY	हिन्दी गद्य	6	90	ALL FACULTIES
		FOURTH SEMESTER	THEORY	COMPULSORY	हिन्दी अनुवाद	6	90	ALL FACULTIES
DEGREE IN HINDI	III	FIFTH SEMESTER FIRST PAPER	THEORY	COMPULSORY	साहित्यशास्त्र और हिन्दी आलोचना	5	75	ALL FACULTIES
		FIFTH SEMESTER SECOND PAPER	THEORY	COMPULSORY	हिन्दी का राष्ट्रीय काव्य	5	75	ALL FACULTIES
		SIXTH SEMESTER FIRST PAPER	THEORY	COMPULSORY	भाषा विज्ञान, हिन्दी भाषा तथा देवनागरी लिपि	5	75	ALL FACULTIES
		SIXTH SEMESTER SECOND PAPER	THEORY	COMPULSORY	लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति	5	75	ALL FACULTIES

PROGRAMME SPECIFIC OUTCOMES

- बी. ए. प्रथम वर्ष प्रथम सेमेस्टर के **'हिन्दी काव्य'** प्रश्नपत्र के अंतर्गत भारतीय ज्ञान परंपरा में हिन्दी साहित्य के विभिन्न कालों के प्रतिनिधि कवियों की कविताओं के विषय में जानकारी देना तथा हिन्दी काव्य के इतिहास की संक्षिप्त जानकारी देकर विद्यार्थियों को हिन्दी कविता के विकास क्रम से अवगत कराना।
- बी.ए. प्रथम वर्ष द्वितीय सेमेस्टर के **'कार्यालयी हिन्दी और कम्प्यूटर'** प्रश्नपत्र के अंतर्गत हिन्दी के विद्यार्थियों को कार्यालय के कार्यों की मूलभूत जानकारी प्रदान करना ताकि वे कार्यालय के समस्त कार्यों को सुगमतापूर्वक कर सकें एवं उन्हें कम्प्यूटर का मूलभूत ज्ञान देकर कम्प्यूटर पर हिन्दी में कार्य करने में सक्षम बनाना ताकि वे समुचित रोज़गार प्राप्त कर सकें।
- बी.ए. द्वितीय वर्ष तृतीय सेमेस्टर के **'हिन्दी गद्य'** प्रश्नपत्र के अंतर्गत विद्यार्थियों को हिन्दी गद्य की सभी विधाओं का सम्यक ज्ञान देना तथा उन्हें हिन्दी के प्रतिनिधि उपन्यासकारों, कथाकारों, नाटककारों, एकांकीकारों, निबंधकारों एवं अन्य गद्य विधाओं के लेखकों के महत्त्वपूर्ण प्रदेय से परिचित कराना, ताकि विद्यार्थी इन सभी विधाओं से परिचित हो सकें और इस क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थी को इस हेतु तैयार करना।
- बी.ए. द्वितीय वर्ष चतुर्थ सेमेस्टर के **'हिन्दी अनुवाद'** प्रश्नपत्र के अंतर्गत विद्यार्थियों को हिन्दी के साथ-साथ अंग्रेजी की प्रारंभिक जानकारी प्रदान करते हुए उन्हें वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण के साथ सामंजस्य स्थापित करने में सक्षम बनाना तथा भारतीय संस्कृति और साहित्य के वैश्विक प्रचार प्रसार में सहायक बनाना और इस क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थी को इस हेतु तैयार करना।
- बी.ए. तृतीय वर्ष पंचम सेमेस्टर सेमेस्टर के प्रथम प्रश्नपत्र **'साहित्यशास्त्र और हिन्दी आलोचना'** के अंतर्गत विद्यार्थी को साहित्यशास्त्र एवं आलोचना के अर्थ, महत्व और विषय-क्षेत्र से परिचित कराना तथा उन्हें हिन्दी आलोचना के रूप में भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के आधुनिक विकास के विविध रूपों और दिशाओं का साक्षात्कार कराना|
- बी.ए. तृतीय वर्ष पंचम सेमेस्टर सेमेस्टर के द्वितीय प्रश्नपत्र **'हिन्दी का राष्ट्रीय काव्य'** के अंतर्गत हिन्दी साहित्य एवं सिनेमा की राष्ट्रीय काव्य चेतना से जुड़े कवियों की रचनाओं के माध्यम से विद्यार्थियों में राष्ट्र के प्रति अनुराग जाग्रत करना और उन्हें भारतीय संस्कृति की विशिष्टता और महानता के विविध पक्षों से अवगत कराना और इस क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थी को इस हेतु तैयार करना।
- बी.ए. तृतीय वर्ष षष्ठ सेमेस्टर सेमेस्टर के प्रथम प्रश्नपत्र **'भाषा विज्ञान, हिन्दी भाषा तथा देवनागरी लिपि'** के अंतर्गत विद्यार्थियों को भाषा के अंगों, हिन्दी भाषा के उद्भव तथा विकास और देवनागरी लिपि के स्वरूप की जानकारी कराना एवं उन्हें हिन्दी की वैज्ञानिक एवं संवैधानिक स्थिति से परिचित कराना।
- बी.ए. तृतीय वर्ष षष्ठ सेमेस्टर सेमेस्टर के द्वितीय प्रश्नपत्र **'लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति** के अंतर्गत विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति में जनश्रुति से निर्मित साहित्य के महत्वपूर्ण योगदान से विद्यार्थियों को परिचित कराना तथा लोक संस्कृति के विकास क्रम से विद्यार्थियों को अवगत कराना।

PROGRAMME /CLASS: CERIFICATE	BA I YEAR	SEMESTER: I

Subject: Hindi	
COURSE CODE: A010101T	COURSE TITTE: हिन्दी काव्य

Course outcomes:

हिन्दी काव्य के प्रतिनिधि कवियों की कविताओं के विषय में जानकारी देना तथा हिन्दी काव्य के संक्षिप्त इतिहास की जानकारी देकर विद्यार्थियों को हिन्दी कविता के विकास क्रम से अवगत कराना|

CREDITS: 6	MAX. MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 10+30

Total No. of Lectures – Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 Etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी काव्य का इतिहास : इतिहास लेखन की परंपरा एवं विकास: भारतीय ज्ञान परंपरा और हिन्दी साहित्य, हिंदी साहित्य का काल विभाजन, नामकरण एवं साहित्यिक प्रवृत्तियाँ । सिद्ध साहित्य, जैन साहित्य, रासो साहित्य,नाथ साहित्य और लौकिक साहित्य| भक्ति आंदोलन के उदय के सामाजिक एवं सांस्कृतिक कारण,भक्तिकाल के प्रमुख संप्रदाय और उनका वैचारिक आधार,निर्गुण और सगुण कवि और उनका काव्य। रीति काल की सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि,नामकरण, प्रवृत्तियाँ एवं परिप्रेक्ष्य। रीतिकालीन साहित्य के प्रमुख भेद	12
	(रीतिबद्ध,रीतिसिद्ध, रीति मुक्ति,प्रमुख कवि और उनका काव्य।	
II	आधुनिक कालीन काव्य का इतिहास : सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि,नामकरण एवं प्रवृत्तियाँ, 1857का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम और सांस्कृतिक पुनर्जागरण,हिंदी नवजागरण,भारतेंदु युग, द्विवेदी युग एवं छायावाद की प्रवृत्तियाँ एवं अवदान। उत्तर छायावाद की विविध वैचारिक प्रवृत्तियाँ, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता, प्रमुख साहित्यकार रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।	12
III	आदिकालीन कवि : विद्यापति : (विद्यापति पदावली - संपा. :आचार्य रामलोचन शरण) क. राधा की वंदना, ख. श्रीकृष्ण प्रेम (35), ग. राधा प्रेम - (36) गोरखनाथ : (गोरखबानी : संपादक पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल गोरखबानी सबदी (संख्या 2,4,7,8,16), पद (राग रामश्री 10,11)	10

	अमीर खुसरो : (अमीर खुसरो - व्यक्तित्व एवं कृतित्व :डॉ. परमानन्द पांचाल) कव्वाली - घ (1), गीत-ड़(4), (13), दोहे - च (पृष्ठ 86),05 दोहे - गोरी सोवे,खुसरो रैन,देख मैं,चकवा चकवी,सेज सूनी|	
IV	भक्तिकालीन सगुण कवि : सूरदास :(भ्रमरगीत सार-संपा. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल) (पद संख्या- 07, 21, 23, 24, 26) गोस्वामी तुलसीदास : (श्रीरामचरित मानस-गोस्वामी तुलसीदास, गीता प्रेस गोरखपुर) अयोध्या काण्ड-दोहा संख्या 28से 41	11
V	भक्तिकालीन निर्गुण कवि : कबीर : (कबीरदास - संपा. श्यामसुंदर दास) क. गुरुदेव को अंग -01, 06, 11, 17, 20| ख- बिरह कौ अंग – 04, 10, 12, 20, 33 मलिक मोहम्मद जायसी : (मलिक मोहम्मद जायसी - संपा. - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल) मानसरोदक खंड (01से 06पद तक)	10
VI	रीतिकालीन कवि: केशवदास : (कविप्रिया (प्रिया प्रकाश) - लाला भगवानदीन) तृतीय प्रभाव – 1, 2, 4, 5 बिहारीलाल : (बिहारी रत्नाकर-जगन्नाथ दास रत्नाकर) प्रारंभ के 10 दोहे घनानंद : (घनानंद ग्रन्थावली-संपा.,विश्वनाथ प्रसाद मिश्र) सुजानहित – 1, 4, 7	11
VII	आधुनिककालीन कवि : भारतेंदु हरिश्चंद्र :मातृभाषा प्रेम पर दोहे, रोकहूँ जो तो अमंगल होय, ब्रज के लता पता मोहि कीजे जयशंकर प्रसाद :कामायनी के श्रद्धा सर्ग के प्रथम दस पद, आंसू के प्रथम पांच पद सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' :वर दे वीणा वादिनि वर दे,तुलसीदास (प्रारंभ के दस पद),वह तोड़ती पत्थर सुमित्रानंदन पन्त :मौन निमंत्रण, प्रथम रश्मि, यह धरती कितना देती है	12

	महादेवी वर्मा :बीन हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ, फिर विकल हैं प्राण मेरे, यह मन्दिर का दीप इसे नीरव जलने दो	
VIII	(अ) छायावादोत्तर कवि और हिन्दी साहित्य में शोध : अज्ञेय :नदी के द्वीप, यह दीप अकेला, कलगी बाजरे की	12
	मुक्तिबोध :विचार आते हैं, भूल गलती नागार्जुन :अकाल और उसके बाद, बादल को घिरते देखा है धर्मवीर भारती :बोआई का गीत, कविता की मौत(दूसरा सप्तक, सम्पादक अज्ञेय) धूमिल : मोचीराम, रोटी और संसद (ब) हिन्दी साहित्य में शोध शोध का अर्थ और परिभाषा, साहित्य में शोध की प्रविधियां, शोध के अंग और शोध का महत्त्व	

PROGRAMME /CLASS: CERIFICATE	BA I YEAR	SEMESTER: II
Subject: Hindi		
COURSE CODE A010201T	COURSE TITTE: कार्यालयी हिन्दी और कम्प्यूटर	

Course outcomes:

हिन्दी के विद्यार्थियों को कार्यालय के कार्यों की मूलभूत जानकारी प्रदान करना ताकि वह कार्यालय के कार्यों को सुगमतापूर्वक कर सके एवं उन्हें कम्प्यूटर का मूलभूत ज्ञान देना तथा उन्हें कम्प्यूटर पर हिन्दी में कार्य करने में सक्षम बनाना ताकि वे कम्प्यूटर पर कार्य करने में सक्षम होकर रोज़गार प्राप्त कर सकें|

CREDITS: 6	MAX. MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 10+30

Total No. of Lectures – Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 Etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	कार्यालयी हिन्दी का स्वरूप, उद्देश्य एवं क्षेत्र : कार्यालयी हिन्दी की संकल्पना उद्देश्य एवं क्षेत्र कार्यालयी हिन्दी तथा सामान्य हिन्दी का सम्बन्ध कार्यालयी हिन्दी की संभावनाएं कार्यालयी कार्यकलाप की सामान्य जानकारी	11
II	कार्यालयी हिन्दी में प्रयुक्त पारिभाषिक शब्दावली : शब्दावली निर्माण के सिद्धांत	11

	कार्यालयी हिन्दी की पारिभाषिक शब्दावली कार्यालयों एवं अधिकारियों के नाम पदनाम, संबोधन आदि, प्रशासनिक एवंविधिक शब्दावली	
III	**कार्यालयी हिन्दी पत्राचार :** आवेदन पत्र सरकारी पत्र अर्द्ध सरकारी पत्र कार्यालय आदेश परिपत्र अधिसूचना कार्यालय ज्ञाप विज्ञापन निविदा संकल्प प्रेस विज्ञप्ति	12
IV	**प्रारूपण, टिप्पण, संक्षेपण, पल्लवनएवं प्रतिवेदन :** प्रारूपण का अर्थ, सामान्य परिचय, प्रारूपण लेखन की पद्धति टिप्पण का अर्थ, सामान्य परिचय, टिप्पण लेखन की पद्धति, टिप्पण और टिप्पणी में अंतर संक्षेपण का अर्थ, सामान्य परिचय, संक्षेपण की पद्धति पल्लवन का अर्थ, सामान्य परिचय, पल्लवन के सिद्धांत, पल्लवन और निबंध लेखन में अंतर प्रतिवेदन का अर्थ, सामान्य परिचय एवं प्रयोग	11
V	**हिन्दी भाषा और कम्प्यूटर का विकासक्रम :** कम्प्यूटर का सामान्य परिचय और इतिहास कम्प्यूटर में हिन्दी भाषा के विकास का इतिहास कम्प्यूटर में हिन्दी का भविष्य	11
VI	**हिन्दी भाषा में कम्प्यूटर प्रौद्योगिकी :** इन्टरनेट और हिन्दी, ई मेल हिन्दी में उपलब्ध सॉफ्टवेयर एवं वेबसाइट हिन्दी से सम्बन्धित विभिन्न वेबसाइटें सोशल मीडिया पर हिन्दी लेखन कौशल	11
VII	**हिन्दी भाषा और ई शिक्षण :** इन्टरनेट पर उपलब्ध पत्र-पत्रिकाएँ इन्टरनेट पर उपलब्ध दृश्य-श्रृव्य सामग्री ब्लॉग, फेसबुक पेज, ई पुस्तकालय सामग्री सरकारी तथा गैर सरकारी चैनल (ज्ञानदर्शन, ई पाठशाला, स्वयं, मूक्स आदि), पॉडकास्ट, आभासी कक्षाएं	
VIII	**(अ) हिन्दी कम्प्यूटर टंकण एवं शार्टहैण्ड का सैद्धांतिक पक्ष और हिन्दी साहित्य में शोध:** हिन्दी भाषा के विभिन्न फॉण्ट यूनिकोड स्पीच टू टेक्स्ट प्रौद्योगिकी हिन्दी पीपीटी स्लाइड एवं पोस्टर निर्माण **(ब) हिन्दी साहित्य में शोध** शोध के प्रकार (परिकल्पना परीक्षण और परिकल्पना उत्पादन), शोध के चरण, साहित्यिक शोध का उद्देश्य	12

PROGRAMME /CLASS DIPLOMA	BA II YEAR	SEMESTER: III

Subject: Hindi

COURSE CODE	COURSE TITTE:
A010301T	हिन्दी गद्य

Course outcomes:

हिन्दी के विद्यार्थियों को हिन्दी गद्य की सभी विधाओं का सम्यक ज्ञान देना तथा उन्हें हिन्दी के प्रतिनिधि उपन्यासकारों, कथाकारों, नाटककारों एवं एकांकीकारों, निबंधकारों एवं अन्य गद्य विधाओं के लेखकों के महत्त्वपूर्ण प्रदेय से परिचित कराना, ताकि विद्यार्थी इन सभी विधाओं से परिचित हो सकें और इस क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थी इस हेतु तैयार हो सकें|

CREDITS	MAX. MARKS:	MIN. PASSING MARKS
6	25+75	10+30

Total No. of Lectures – Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 Etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	हिन्दी गद्य साहित्य का संक्षिप्त इतिहास : हिन्दी कहानी का उद्भव और विकास हिन्दी उपन्यास का उद्भव और विकास हिन्दी नाटक का उद्भव और विकास हिन्दी आलोचना का उद्भव और विकास हिन्दी की अन्य गद्य विधाओं का उद्भव और विकास	12
II	हिन्दी गद्य की महत्त्वपूर्ण विधाओं का संक्षिप्त परिचय : कहानी उपन्यास नाटक एकांकी आलोचना निबंध यात्रा वृत्तान्त संस्मरण रेखाचित्र डायरी रिपोर्ताज आत्मकथा जीवनी व्यंग्य	12
III	हिन्दी उपन्यास : झाँसी की रानी : वृन्दावनलाल वर्मा, विद्यार्थी संस्करण, संपादक डॉ. पुनीत बिसारिया,प्रभात प्रकाशन, नयी दिल्ली	11

IV	हिन्दी कहानी पंच परमेश्वर - प्रेमचन्द पाजेब - जैनेन्द्र गैंग्रीन - अज्ञेय परदा- यशपाल तीसरी कसम - रेणु पिता - ज्ञान रंजन	11
V	हिन्दी नाटक एवं एकांकी : नाटक : ध्रुवस्वामिनी - जयशंकर प्रसाद एकांकी : दीपदान - डॉ रामकुमार वर्मा लक्ष्मी का स्वागत - उपेंद्रनाथ अश्क	11
VI	हिन्दी निबन्ध : भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है - भारतेन्दु हरिश्चन्द्र मित्रता - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल अशोक के फूल - हजारीप्रसाद द्विवेदी उत्तरा फाल्गुनी के आसपास - कुबेरनाथ राय तुम चन्दन हम पानी–डॉ. विद्यानिवास मिश्र	11
VII	अन्य गद्य विधाएं - प्रथम खण्ड : रेखाचित्र (गिल्लू- महादेवी वर्मा) संस्मरण (तीस बरस का साथी - रामविलास शर्मा) जीवनी अंश (कलम का सिपाही - अमृत राय) रिपोर्ताज (ऋण जल धन जल - रेणु) व्यंग्य (भोलाराम का जीव - हरिशंकर परसाई)	11
VIII	अन्य गद्य विधाएं - द्वितीय खण्ड : यात्रा वृत्तांत (मेरी तिब्बत यात्रा - राहुल सांकृत्यायन) डायरी (एक लेखक की डायरी - मुक्तिबोध) इन्टरव्यू (मैं इनसे मिला, श्री सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला - पद्म सिंह शर्मा कमलेश) आत्मकथा अंश (जूठन - ओमप्रकाश वाल्मीकि)	11

PROGRAMME /CLASS DIPLOMA	BA II YEAR	SEMESTER: IV

Subject: Hindi	
COURSE CODE A010401T	COURSE TITTE: हिन्दी अनुवाद

Course outcomes:

विद्यार्थियों को हिन्दी के साथ साथ अंग्रेजी की प्रारंभिक जानकारी प्रदान करते हुये वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण के साथ सामंजस्य स्थापित करने में सक्षम बनाना तथा भारतीय संस्कृति और साहित्य के प्रचार प्रसार में सहायक बनाना।

CREDITS	MAX. MARKS:	MIN. PASSING MARKS
6	25+75	10+30

Total No. of Lectures – Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 Etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	अनुवाद की अवधारणा : अनुवाद : परिभाषा , स्वरूप अनुवाद का महत्त्व अनुवाद के अन्य रुप : लिप्यंतरण, मशीनी अनुवाद आदि अनुवादक के गुण,दायित्व और अपेक्षाएं अनुवाद में रोजगार की संभावनाएं	11
II	अनुवाद के क्षेत्र : प्रक्रिया प्रकार सीमाएँ अंग्रेजी-हिन्दी अनुवाद की समस्याएं और समाधान	11
III	अनुवाद का सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भ : संस्कृति, साहित्य और भाषा अनुवाद और संस्कृति अनुवाद और समाज अनुवाद और भाषा बहुभाषिक समाज में अनुवाद	11

IV	**अनुवाद के साधन :** अनुवाद में कोश का महत्त्व कोशों के प्रकार कोशों के उपयोग संकेत प्रणाली शब्दकोश के उपयोग थिसॉरस के उपयोग पर्यायकोश के उपयोग उच्चारणकोश के उपयोग भाषिककोश के उपयोग विषयकोश के उपयोग परिभाषाकोश के उपयोग विश्वकोश के उपयोग साहित्यकोश के उपयोग मिथककोश के उपयोग पुराणकोश के उपयोग	11
V	**पारिभाषिक शब्दावली :** पारिभाषिक शब्द : तात्पर्य तथा लक्षण सामान्य शब्दों तथा पारिभाषिक शब्दों की अनुवाद में भूमिका पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धांत पारिभाषिक शब्दावली निर्माण की प्रक्रिया	11
VI	**अनुवाद का पुनरीक्षण, मूल्यांकन तथासमीक्षा :**	11
	पुनरीक्षण मूल्यांकन समीक्षा	
VII	**अनुवाद सैद्धांतिकी– एक :** (हिन्दी से अंग्रेजी तथा अंग्रेजी से हिन्दी) प्रशासनिक अनुवाद बैंकिंग अनुवाद विधि अनुवाद ज्ञान, विज्ञान तथा तकनीकी अनुवाद	12
VIII	**अनुवाद सैद्धांतिकी– दो :** (हिन्दी से अंग्रेजी तथा अंग्रेजी से हिन्दी) सामाजिक विषयों का अनुवाद सर्जनात्मक अनुवाद	12

PROGRAMME /CLASS DEGREE	BA III YEAR	SEMESTER: V

Subject: Hindi	
COURSE CODE A010501T	COURSE TITTE: साहित्यशास्त्र और हिन्दी आलोचना

Course outcomes:

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी साहित्यशास्त्र एवं आलोचना के अर्थ, महत्व और उनके विषय - क्षेत्र से परिचित हो सकेंगे तथा वे हिन्दी आलोचना के रूप में भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के आधुनिक विकास के विविध रूपों और दिशाओं का साक्षात्कार कर सकेंगे |

CREDITS: 5	MAX. MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS 10+30

Total No. of Lectures – Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 Etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	भारतीय काव्यशास्त्र : काव्य प्रयोजन काव्य लक्षण काव्य हेतु काव्य का स्वरुप काव्य की आत्मा	09
II	भारतीय काव्य सिद्धांत: अलंकार सिद्धांत रीति सिद्धांत रस सिद्धांत	09
	ध्वनि सिद्धांत वक्रोक्ति सिद्धांत औचित्य सिद्धांत	
III	साहित्यशास्त्रीय अवधारणाएँ काव्य रूप काव्य गुण शब्द शक्ति काव्य दोष	09
IV	नाट्यशास्त्र : भारतीय नाट्यशास्त्र का सामन्य परिचय वृत्ति अभिनय रुपक	09

	कथा नेता या नायक नायिका रंगमंचीय विशेषताएं	
V	पाश्चात्य काव्यशास्त्र : अरस्तू : अनुकरण सिद्धांत, विरेचन सिद्धांत कॉलरिज : कल्पना और फैंटेसी वड्र्सवर्थ का काव्यभाषा सिद्धांत रिचड्र्स का संप्रेषण सिद्धांत टी.एस.इलियट का निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत	09
VI	हिन्दी आलोचना का इतिहास तथा सैद्धांतिकी : हिन्दी आलोचना का विकास सैद्धांतिक आलोचना स्वछन्दतावादी आलोचना मार्क्सवादी आलोचना मनोविश्लेषणवादी आलोचना	10
VII	समीक्षाकी विचारधाराएँ : नयी समीक्षा नवशास्त्रवाद यथार्थवाद आभिजात्यवाद और नव्य आभिजात्यवाद कलावाद बिम्बवाद प्रतीकवाद संरचनावाद तथा उत्तर संरचनावाद विखण्डन	10
VIII	आलोचक एवं आलोचना दृष्टि : रामचन्द्र शुक्ल : काव्य में लोकमंगल प्रेमचंद : साहित्य का उद्देश्य प्रसाद : छायावाद और यथार्थवाद हजारीप्रसाद द्विवेदी : आधुनिक साहित्य - नई मान्यताएं डॉ. नगेन्द्र : मेरी साहित्यिक मान्यताएं रामविलास शर्मा : तुलसी साहित्य में सामन्त विरोधी मूल्य नामवर सिंह : कहानी : नई और पुरानी मुक्तिबोध : नई कविता का आत्मसंघर्ष	10

PROGRAMME /CLASS DEGREE	BA III YEAR	SEMESTER: V
Subject: Hindi		
COURSE CODE A010502T	COURSE TITTE: हिन्दी का राष्ट्रीय काव्य	

Course outcomes:

हिन्दी की राष्ट्रीय काव्य चेतना से जुड़े कवियों की रचनाओं के माध्यम से विद्यार्थियों में राष्ट्र के प्रति अनुराग जाग्रत करना|

CREDITS: 05	MAX. MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS 10+30

Total No. of Lectures – Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 Etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	वीरगाथा काल का राष्ट्रीय काव्य : चंदबरदाई : पृथ्वीराज रासो के रेवा तट समय के अंश (चढ़त राज पृथिराज, जगनिक : आल्ह खण्ड नैनागढ़ की लड़ाई अथवा आल्हा का विवाह खण्ड (प्रथम पांच सुमिरन अंश (गया न कीन्हीं जिन कलजुग मां-------- ----भयानक मार) अंतिम पांच अंश (भोर भुरहरे -------- लड़िहैं खूब बीर मलखान)	09
II	भक्ति एवं रीतिकाल का राष्ट्रीय काव्य : गुरु गोविन्द सिंह : देहु शिवा वर मोहि इहे, बाण चले तेई कुंकुम मानो, यों सुनि के बतियान तिह की भूषण : इन्द्र जिमि जम्भ पर, बाने फहराने, निज म्यान तें मयूखैं, दारुन दहत हरनाकुस बिदारिबे कों	09
III	भारतेंदु एवं द्विवेदीयुगीन राष्ट्रीय काव्य : भारतेंदु हरिश्चंद्र :उन्नतचितहवैआर्य परस्पर प्रीत बढ़ावें, बल कलाकौशल अमित विद्या वत्स भरे मिल लहै, भीतर भीतर सब रस चूसै, सब गुरुजन को बुरो बतावै अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' : कर्मवीर, जन्मभूमि मैथिलीशरण गुप्त : आर्य, मातृभूमि	09
IV	छायावाद युगीन राष्ट्रीय काव्य : जयशंकर प्रसाद :प्रयाण गीत (हिमाद्रि तुंग श्रृंग), अरुण यह मधुमय देश हमारा सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' :भारती वंदना (भारतिजय विजय करे), जागो फिर एक बार माखनलाल चतुर्वेदी :पुष्प की अभिलाषा, जवानी सुभद्रा कुमारी चौहान : वीरों का कैसा हो बसंत, झाँसी की रानी	09

V	छायावादोत्तर राष्ट्रीय काव्य : बालकृष्ण शर्मा नवीन :कवि कुछ ऐसी तान सुनाओ, कोटि कोटि कंठों से निकली आज यही स्वर धारा है रामधारी सिंह 'दिनकर': शहीद स्तवन (कलम आज उनकी जय बोल), हिमालय श्यामलाल गुप्त 'पार्षद': झंडा गीत (विजयी विश्व तिरंगा प्यारा)	09
VI	समकालीन राष्ट्रीय काव्य प्रथम चरण : श्यामनारायण पाण्डेय :चेतक की वीरता, राणा प्रताप की तलवार द्वारिकाप्रसाद माहेश्वरी :उठो धरा के अमर सपूतों, वीर तुम बढ़े चलो गोपालप्रसाद व्यास :खूनी हस्ताक्षर, शहीदों में तू नाम लिखा ले रे	10
VII	समकालीन राष्ट्रीय काव्य द्वितीय चरण : सोहनलाल द्विवेदी : मातृभूमि, तुम्हें नमन (चल पड़े जिधर दो डग मग में) अटलबिहारी वाजपेयी :कदम मिलाकर चलना होगा, उनकी याद करें डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' : मातृ वंदना, हम भारतवासी	10
VIII	हिन्दी फ़िल्मी गीतों में राष्ट्रीय काव्य: कवि प्रदीप:आज हिमालय की चोटी से फिर हमने ललकारा है (किस्मत-1943) कवि प्रदीप:ऐ मेरे वतन के लोगों ज़रा आँख में भर लो पानी (ग़ैर फ़िल्मी) कवि प्रदीप:हम लाए हैं तूफ़ान से कश्ती निकाल के (जाग्रति-1954) कवि प्रदीप:आओ बच्चों तुम्हें दिखाएँ झांकी हिंदुस्तान की (जाग्रति-1954) साहिर लुधियानवी: ये देश है वीर जवानों का (नया दौर-1957) प्रेम धवन :छोड़ो कल की बातें कल की बात पुरानी (हम हिन्दुस्तानी-1961 नीरज :ऐ मेरे प्यारे वतन (काबुलीवाला-1961) कैफ़ी आज़मी:कर चले हम फ़िदा जाने तन साथियों (हकीकत-1964) राजेन्द्र कृष्ण: जहाँ डाल-डाल पर सोने की चिड़िया करती है बसेरा (फ़िल्म- सिकंदर-आज़म-1965) गुलशन बावरा : मेरे देश की धरती सोना उगले (उपकार : 1967) इन्दीवर: है प्रीत जहाँ की रीत सदा (पूरब और पश्चिम-1971) प्रसून जोशी: देस रंगीला रंगीला देस म्हारा रंगीला (फ़ना-2006)	10

सेशनल अथवा सत्रीय परीक्षा (प्रायोगिक कार्य) :

सत्रीय परीक्षा में विद्यार्थी को आन्तरिक मूल्यांकन के अंतर्गत 25 अंक की प्रायोगिक परीक्षा देनी होगी, जसके अंतर्गत विद्यार्थियों को निम्नलिखित फिल्मों में से कोई एक फिल्म देखकर उसकी समीक्षा तथा उसमें वर्णित सन्देश परियोजना कार्य के रूप में आन्तरिक मूल्यांकन के अंतर्गत मूल्यांकन हेतु जमा करना होगा-

आनंदमठ
हकीक़त
उपकार
शहीद
गाँधी
उरी : द सर्जिकल स्ट्राइक
केसरी

PROGRAMME /CLASS DEGREE	BA III YEAR	SEMESTER :VI

Subject: Hindi

COURSE CODE	COURSE TITTE:
A010607T	भाषा विज्ञान, हिन्दी भाषा तथा देवनागरी लिपि

Course outcomes:

भाषा के अंगों, हिन्दी भाषा के उद्भव तथा विकासऔर देवनागरी लिपि के स्वरूप की जानकारी प्राप्त होगी। विद्यार्थियों को हिन्दी की वैज्ञानिक एवं वैधानिक स्थिति से परिचित कराना।

CREDITS: 5	MAX. MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS 10+30

Total No. of Lectures – Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 Etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	भाषा एवं भाषाविज्ञान कासामान्य परिचय : भाषा : परिभाषा,स्वरूप, अभिलक्षण भाषाविज्ञान : परिभाषा, प्रकार,क्षेत्र, शाखाएँ	09
II	भाषिक संरचना तथा स्तर : ध्वनि शब्द रूप वाक्य प्रोक्ति अर्थ	09
III	हिन्दी भाषा की उत्पत्ति तथा विकास : पृष्ठभूमि अपभ्रंश अवहट्ट पुरानी हिन्दी मानक हिन्दी	09
IV	हिन्दी शब्द सम्पदा और उसके मूल स्रोत : हिन्दी ध्वनियों का वर्गीकरण आधार - बाह्य प्रयत्न,आभ्यंतर प्रयत्न,उच्चारण,स्थान, प्राणत्व और अनुनासिकता	09
V	हिन्दी की उपभाषाओं तथा बोलियों का परिचय : पश्चिमी हिन्दी पूर्वी हिन्दी पहाड़ी हिन्दी राजस्थानी हिन्दी बिहारी हिन्दी	09
VI	हिन्दी की वैधानिक तथा संवैधानिक स्थिति : राजभाषा आयोग राजभाषा अधिनियम तथा उनका विश्लेषण संवैधानिक प्रावधान तथा उनका विश्लेषण	10

VII	देवनागरी लिपि : नामकरण उद्भव और विकास विशेषताएं वैज्ञानिकता समस्या सुधार	10
VIII	क्षेत्रीय बोली का विशेष अध्ययन : क्षेत्रीय बोली का विकास क्रम क्षेत्रीय बोली का साहित्यिक विका	10

PROGRAMME /CLASS DEGREE	BA III YEAR	SEMESTER : VI

Subject: Hindi

COURSE CODE	COURSE TITTE:
A010602T	लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति

Course outcomes:

भारतीय संस्कृति में जनश्रुति से निर्मित साहित्य के महत्वपूर्ण योगदान से विद्यार्थियों को परिचित कराना तथा लोक संस्कृति के विकास से विद्यार्थियों को अवगत कराना।

CREDITS: 05	MAX. MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS 10+30

Total No. of Lectures – Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 Etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	लोक साहित्यका सामान्य परिचय : लोक साहित्य : परिभाषा ,क्षेत्र ,वर्गीकरण,	
II	लोक साहित्यऔर शिष्ट साहित्य : लोक साहित्य और शिष्ट साहित्य का पारस्परिक संबंध	
III	लोक साहित्य, लोक संस्कृति एवं राष्ट्रीय एकता : लोक साहित्य में लोक संस्कृति का चित्रण,लोक संस्कृति और राष्ट्रीय एकता	
IV	लोक साहित्य का संकलन, संरक्षण एवं संवर्धन : लोक साहित्य संकलन,संरक्षण एवं संवर्द्धन,राष्ट्रीय जीवन में लोक साहित्य का महत्व।	
V	लोक साहित्य की विविध विधाएँ : लोक गीत ,लोक गाथा ,लोक कथा ,लोक नाट्य, लोक नृत्य एवं लोक संगीत	
VI	लोक का प्रकीर्ण साहित्य : लोकोक्तियाँ,मुहावरे एवं पहेलियाँ-परंपरा एवं महत्त्व	
VII	हिन्दी लोक साहित्य का विकास क्रम : हिंदी का लोक साहित्य, इतिहासः अध्ययन की सीमाएँ एवं आवश्यकताएँ, हिंदी का लोक साहित्य और बोलियाँ	
VIII	हिंदी के विभिन्न क्षेत्रीय (आंचलिक) लोक साहित्य का परिचय। (इस इकाई में सम्बन्धित विश्वविद्यालय /संस्था अपनी सुविधानुसार आंचलिक लोक साहित्य के बारे में अध्ययन कराएंगे)	